internet:arunjaity.qxd 9/26/2010 9:38 PM Page 212

नानाजी देशमुख की तेरहवीं, आडवाणी-राजनाथ पहुंचे

सतना। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और राजनाथ सिंह सतना पहुंच चुके हैं। दोनों नेता चित्रकूट में विख्यात समाजसेवी नानाजी देशमुख की तेरहवीं में हिस्सा लेंगे। उनके साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी होंगे। नानाजी देशमुख का 27 फरवरी को निधन हो गया था। वे 97 वर्ष के थे और उन्होंने अपनी देह मेडिकल रिसर्च के लिए दान कर दी थी।

राज्यसभा के सदस्य रहे नानाजी देशमुख को अपने सामाजिक कार्यों के लिए 1999 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। भाजपा के पूर्व अवतार जनसंघ के संस्थापकों में एक नानाजी ने 1975 में गैर कांग्रेस सरकार के गठन में सक्रिय भूमिका निभाने के बाद राजनीतिक संन्यास ले लिया था। उन्होंने 1940 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की थी। महाराष्ट्र के परभणी जिले के कदोलाई में 11 अक्टूबर 1916 को जन्मे नानाजी पिछले तीन दशकों से मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की सीमा पर बने चित्रकूट क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में लगे थे। उन्होंने ग्रामीण गरीबों के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। उनकी जल संग्रहण योजना की तो विश्व बैंक ने भी सराहना की थी। दीनदयाल शोध संस्थान स्थापित करने वाले नानाजी ने बाद में चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना की। यह देश की पहली ग्रामीण यूनिवर्सिटी है।

नहीं रहे नानाजी देशमुख

चित्रकूट। प्रबुद्ध समाजसेवी और विचारक और जनसंघ के पूर्व नेता नानाजी देशमुख का शनिवार शाम यहां से 80 किलोमीटर दूर सदगुरू सेवासंघ अस्पताल में निधन हो गया। वे 95 वर्ष के थे। कुछ समय से बीमार चल रहे नानाजी को शनिवार सुबह सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

महाराष्ट्र के परभणी जिले में जन्मे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जीवनव्रती प्रचारक नानाजी राज्य सभा के सदस्य रह चुके थे। आजीवन समाज सेवा का व्रत ले चुके नानाजी ने दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना करके उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश सीमा के दोनों तरफ के क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और लोगों को आर्थिक दृष्टि से आत्म निर्भर बनाने के लिए सराहनीय काम किया है। उन्होंने 60 साल की उम्र पूरी होते ही राजनीति छोड़ दी थी क्योंकि उनका मानना था कि 60 साल की उम्र के बाद व्यक्ति को राजनीति छोड़ देनी चाहिए।

उन्हें 1999 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया और इसी साल राज्यसभा के लिए नामांकित किया गया। वे बलरामपुर से लोकसभा से भी चुने गये थे. चित्रकूट स्थित दीनदयाल शोध संस्थान में पधारे पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने नानाजी देशमुख द्वारा कमजोर वर्ग के उत्थान में उठाए गए कदमों की सराहना की और इस क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को अनुकरणीय बताया।

नानाजी का पार्थिव शरीर एम्स को सौंपा गया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेता नानाजी देशमुख का पार्थिव शरीर चिकित्सा अनुसंधान के लिए रविवार को एम्स को सौंप दिया गया। इसके पहले नानाजी को भाजपा और संघ के नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। 94 वर्षीय नानाजी का शनिवार को चित्रकूट में निधन हो गया था। राज्यसभा के पूर्व सदस्य नानाजी को श्रद्धांजलि देने वालों में भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, लोकसभा के उपाध्यक्ष करिया मुंडा, लोकसभा में विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज, राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता अरुण जेटली, भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राजनाथ सिंह शामिल थे। नानाजी के पार्थिव शरीर पर राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल की ओर से पुष्पांजलि अर्पित की गई।

प्रबुद्ध समाजसेवी नानाजी देशमुख नहीं रहे

नानाजी देशमुख लंबे समय तक जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे, लेकिन साढ़े चार दशक पूर्व उन्होंने खुद को राजनीति से अलग कर लिया और आदर्श समाज के निर्माण का बीड़ा उठाया। कुछ समय से बीमार चल रहे नानाजी को आज सुबह सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उन्होंने अंतिम साँस ली।

महाराष्ट्र में जन्मे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जीवनव्रती प्रचारक नानाजी राज्य सभा के सदस्य रह चुके थे। आजीवन समाज सेवा का व्रत ले चुके नानाजी ने दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना करके उत्तरप्रदेश-मध्यप्रदेश सीमा के दोनों तरफ के क्षेत्रों में शिक्षा स्वास्थ्य और लोगों को आर्थिक दृष्टि से आत्म निर्भर बनाने के लिए सराहनीय काम किया और 1999 में उन्हें 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया।

उन्होंने मंच और उप्र के 500 सीमावर्ती गाँवों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार और लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए उल्लेखनीय काम किया। नानाजी देशमुख को लोकनायक जयप्रकाश नारायण और इंडियन एक्सप्रेस के रामनाथ गोयनका के बहुत करीबी माना जाता था।

वह राजनीति में अटलबिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी जैसे भाजपा के नेताओं से वरिष्ठ थे और भाजपा के गठन के काफी पहले राजनीति को अलविदा कह चुके थे। नानाजी ने अपने जीवनकाल में दीनदयाल शोध संस्थान, ग्रामोदय विश्वविद्यालय और बालजगत जैसे सामाजिक संगठनों की स्थापना की। उन्होंने उत्तरप्रदेश के गोंडा जिले में भी उल्लेखनीय सामाजिक कार्य किया था। चित्रकूट स्थित दीन दयाल शोध संस्थान में पधारे पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने नानाजी देशमुख द्वारा कमजोर वर्ग के उत्थान में उठाए गए कदमों की सराहना की और इस क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को अनुकरणीय बताया था। नानाजी की भारतीय लोकतंत्र में गहरी आस्था थी और वे कहते थे कि देश के हर नागरिक को मतदान का उपयोग करके अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। यही कारण था कि चलने-फिरने में लाचार होने के बावजूद उन्होंने मतदान में हिस्सा लिया था।